अपहरण-वसूली के आरोपी चारों कांस्टेबल सेवा से बर्खास्त

■ इन पुलिस कर्मियों पर जोधपुर में दो युवकों का अपहरण कर पैसे वसूलने का आरोप है।

जोधपुर, 19 जुलाई (कासं)। पुलिस को शर्मसार करने वाले, जोधपुर कमिश्नरेट के माता का थान पुलिस थाना के निलंबित चारों पुलिसकर्मियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। उन पर दो दोस्तों का अपहरण कर वसूली करने का आरोप है।

डीसीपी ईस्ट आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस सेवा आचरण नियमों के तहत दोषी मानते हुए, कांस्टेबल जगमाल राम जाट, नृसिंह जाट, राकेश पूनिया और लादूराम मेघवाल को बर्खास्त किया गया है। इस मामले में थानाधिकारी की भूमिका को लेकर पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखा है।

डीसीपी श्रीवास्तव ने बताया कि पीड़ित दिलीप गौड़ व उसके दोस्त रमेश शर्मा का माता का थान थाने के पुलिसकर्मी जगमाल राम जाट, नृसिंहलाल जाट, राकेश पूनिया, लादूराम मेघवाल व सरदारपुरा थाने के कांस्टेबल ऋषभ और एक अन्य ने साथ मिलकर महामंदिर थाना क्षेत्र से 14 जुलाई को अपहरण किया। उसके बाद वे उन्हें माता का थान थाने लेकर गए, जहां सीसीटीवी बंद कर, दोनों से 2 लाख नकद और करीब 9 लाख की क्रिप्टो करेंसी हड़पी। इस मामले को लेकर पीड़ित डीसीपी आलोक श्रीवास्तव के पास पेश हुए। इसके बाद डीसीपी ने एसीपी हेमंत कलाल को निर्देश देकर पड़ताल की। महामंदिर थाने में मामला दर्ज कराया और चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया। इन्हें कोर्ट में पेश कर दो दिन का रिमांड लिया। पहले चारों आरोपी पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया और शनिवार को सेवा से बर्खास्त कर दिया।

दो दिन की रिमांड पर पता चला कि दिलीप गौड़ के साथ ही रमेश शर्मा की पत्नी के अकाउंट से एक लाख रुपए निकालने के लिए एक आरोपी रमेश शर्मा को केनरा बैंक के एटीएम ले गया। यहां दस हजार के दस ट्रांज़ैक्शन किए। इसके फुटेज पुलिस के हाथ लगे हैं। जिस जगह से दोनों को अगुवा किया, वहां के फुटेज भी मिल गए। चारों पुलिस कांस्टेबल अभी जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं व किसी दस्तावेज पर हस्ताक्षर नहीं कर रहे हैं।

'अडानी के विरोध ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दबाने की कोशिश करते हुए उनके बेटे को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनका कहना था कि भाजपा इस तरह के हथकंडे अपनाती रहती है लेकिन कांग्रेस के लोग इससे डरने वाले नहीं है और वे इसका विरोध करते रहेंगे। उन्होंने कहा,''भाजपा सरकार ने छत्तीसगढ़ के सारे जंगल अडानी जी को समर्पित कर दिए हैं। पेसा कानून और एनजीटी के निर्देशों की धज्जियां उड़ाते हुए जंगलों को तबाह किया जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी विधानसभा में यह मुद्दा उठाने वाले थे। उन्हें रोकने के लिए सुबह-सुबह प्रवर्तन निदेशालय ने उनके घर पर छापा मारा और उनके बेटे को गिरफ्तार कर लिया।''

'भाजपा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सकते हैं, लेकिन उनके बाहर निकलने का मतलब यह नहीं है कि इंडिया गठबंधन कमज़ोर हो गया है।''

सोजती गेट के पास बैंक की छत भरभरा कर गिरी, कोई हताहत नहीं

जोधपुर का ड्रेनेज सिस्टम हर तरफ से फेल नज़र आया, शहर में हर जगह पानी इकट्ठा

■ शहर की सड़कों पर पानी दरिया की तरह बहा। रेलवे स्टेशन के पास की कॉलोनियों में 2 से 3 फीट पानी भरा।

जोधपुर, 19 जुलाई (कासं)। चौबीस घंटे भी नहीं गुजरे थे कि बरसात के पानी में डूबने से एक युवक की आज फिर मौत हो गई। कल, करना झरना में डूबने से एक युवक की मौत हुई थी।

दक्षिण पश्चिम मानसून की प्रदेश में सक्रियता से कई जिलों में हालात विकट होने लगे हैं। पिछले चार -पांच दिनों से मारवाड़ में बारिश का दौर बना हुआ है। जोधपुर शहर में भी लगातार बारिश से जनजीवन प्रभावित होने लगा है। मूसलाधार बारिश से शहर की सड़कें पानी से लबालब हो गई हैं। साथ ही, पर्यटन स्थलों पर झरने बहने लगे हैं।

जानकारी के अनुसार, शहर के राव जोधा मार्ग घोड़ाघाटी में सुबह पानी में एक युवक डूब गया, जिसे दोपहर तक रेस्क्यू किया जा सका। पाली रोड मोगड़ा के समीप एक बस की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। शहर के सोजती गेट के समीप एक बैंक की छत भरभरा कर गिर गई। हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूल जाने वाले बच्चों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। खेत- खलिहान पानी से लबालब भरे हैं।

जोधपुर शहर में आज ड्रेनेज सिस्टम हर तरफ से फेल नजर आया। शहर में शायद ही कोई ऐसी जगह बची हो, जहां पर पानी इकट्ठा ना हुआ हो। सड़कों और निचले इलाकों में पानी भर गया। सुबह नौ बजे शहर में बरसात का दौर शुरू हुआ, जो दोपहर में तेज बारिश में तब्दील हो गया। सड़कों पर पानी के दरिया बहने लगे। शहर के भीतरी क्षेत्र की सड़कें भी दरिया बन गईं। मणाई गांव में भी जोरदार बारिश हुई है और खेतों में पानी भर गया है। बावड़ी इलाके में चटालिया गांव के खेतों में भी पानी भर गया है। रेलवे स्टेशन के नजदीक वाली कॉलोनियों में 2 से 3 फीट तक पानी भर गया। लूणी विधानसभा क्षेत्र के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बानियावास के रास्ते में करीब एक से डेढ़ फीट पानी भर गया। जोधपुर शहर के पाली रोड मोगड़ा के पास सुबह एक सड़क हादसा हो गया। बारिश के चलते एक युवक बस की चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई। उसकी पहचान नहीं हो पाई है। सूचना पर, बाद में विवेक विहार पुलिस मौका स्थल पर पहुंची।

पुष्कर के फीडर के किनारे बने होटलों को खाली करने के आदेश

ग्यारह करोड़ की लागत से बना नाला भी मूसलाधार बारिश में काम नहीं आया

■ पुष्कर के पीछे बने फीडरों में 8 से 10 फीट पानी चला। कई खेत जलमग्न हो गए। सिविल डिफेन्स टीम ने लोगों को और जानवरों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला।

पुष्कर,19 जुलाई (निसं)। अलसुबह से हुई तेज मूसलाधार बरसात से तीर्थ नगरी तरबतर हो गई, साथ ही पवित्र सरोवर एक बार फिर लबालब होने के कगार पर हैं सरोवर में 13 फीट पानी आया है और अभी भी लगातार पानी की आवक जारी है। अलसुबह से ही रुक रुक कर हो रही तेज मूसलाधार बरसात से निचली बस्तियों में पानी भर गया।

पुष्कर सरोवर के पीछे बने फीडरो में 8 से 10 फीट पानी चला, जिसकी वजह से कई खेत जलमग्न हो गए। पुष्कर की सिविल डिफेंस टीम ने रेस्क्यू करके वहां से लोगों तथा जानवरों को निकाला। छोटी पुलिया के बाइस गुब्बारों से सरोवर में पानी आ रहा है।

बड़ी पुलिया पर पानी देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ लग गई, जिन्हें बाद में हटाया गया। कृष्ण गोपाल जाट के नेतृत्व में सिविल डिफेंस की टीम डूबे हुये क्षेत्र में मुस्तैदी से काम कर रही है तथा लोगों को बाहर निकाल रही है।

पुष्कर में 11 करोड़ की लागत से बनाए गए नाले भी मूसलाधार बरसात में जवाब दे गए तथा पानी का एक तरफ बहाव होने के कारण पहली बार बड़े गणेश जी मंदिर तक पानी भर गया वहां दुकानदारों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सावित्री मार्ग ब्रह्मा मंदिर रोड आदि, सब जलमग्न है।

पुष्कर का विख्यात भट बाय गणेश मंदिर पूर्ण रूप से डूब गया। लोगों ने 1975 और 1983 के बाद पहली बार भट बाय गणेश जी का मंदिर पूर्ण रूप से पानी में डूबा देखा है।

बुड्ढा पुष्कर तीर्थ में भी पानी भर गया। अजमेर जिला कलेक्टर ने पुष्कर का दौरा किया व आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा फीडर के किनारे बने होटलों को खाली करने के आदेश दिए गए।।

पुष्कर में सुबह से हो रही तेज बरसात से पुष्कर सरोवर लबालब हो गया तथा निचली बस्तियों में बारिश का पानी भर गया।

सरवाड़ उपखंड क्षेत्र में भारी बारिश, डाई नदी उफान पर

■ सरवाड़ में 24 घंटे में 131 मि.मी. बारिश हुई है, पानी भरने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

सरवाड़, 19 जुलाई (निसं)। सरवाड़ शहर और उपखंड क्षेत्र में 24 घंटे से लगातार हो रही बारिश से क्षेत्र के ग्रामीण एवं निचले इलाकों में पानी भर गया। खेतों में फसलें डूब जाने से किसान चिंतित हैं। क्षेत्र में 131 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है।

सरवाड़ उपखंड अधिकारी गुरु प्रसाद तंवर व तहसीलदार बंटी राजपूत ने बडला, जावला, बोराड़ा, फतेहगढ़ , धानवा बांध, सरवाड़ समेलिया, हिंगोनिया व लल्लाई के बीच नालों की रपटों का दौरा कर ग्रामीणों को राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। सरवाड़ की डाई नदी उफान पर है और नदी को देखने के लिए शहरवासियों की भीड़ उमड़ रही है। इस दौरान हिन्दू उत्सव समिति के तत्वावधान में डाई नदी को चुनरी ओढ़ाई गई और नदी के विकाल रूप को कम करने हेतु प्रार्थना की गई। नदी के उफान पर होने के कारण सरवाड़ - जड़ाना मार्ग भी अवरुद्ध हो गया।

ट्रंप ने जीनियस एक्ट पर साइन किए

■ इस कानून से अमेरिका में स्टेबल कॉइन्स को मान्यता मिल गई है जो क्रिप्टो करैंसी की एक श्रेणी है। ट्रंप का पारिवारिक बिज़नैस इस क्षेत्र में काफी रुचि ले रहा है।

नयी दिल्ली,19 जुलाई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को गाइडिंग एंड इस्टेब्लिशिंग नेशनल इनोवेशन फॉर यू.एस. स्टेबलकॉइन्स (जीनियस) एक्ट पर हस्ताक्षर कर दिये। इससे देश में स्टेबलकॉइन्स को आधिकारिक मान्यता मिल गयी है।

स्टेबलकॉइन क्रिप्टो करेंसी की वह श्रेणी है जिसका मूल्य डॉलर या सोने जैसे किसी अपेक्षाकृत स्थिर एसेट के आधार पर निर्धारित होता है। इसलिए, इसमें बिटकॉइन तथा ऐसी अन्य क्रिप्टोकरेंसी की तरह बड़ा उथल-पुथल देखने को नहीं मिलता है।

इस कानून के लागू होने के दो बड़े प्रत्यक्ष प्रभाव होंगे। एक रिजर्व के रूप में डॉलर की मांग बढ़ेगी और दूसरा अमेरिकी ट्रेज़री बॉन्ड मजबूत होगा। ऐसा इसलिए, क्योंकि कानून में यह प्रावधान है कि स्टेबलकॉइन जारी करने वालों को शत-प्रतिशत लिक्विड एसेट का रिजर्व बनाना होगा। वे अमेरिकी डॉलर या अल्पावधि वाले ट्रेजरी बॉन्ड का रिज़र्व तैयार कर सकते हैं।

इस कानून से राष्ट्रपति ट्रंप ने निजी और देश हित दोनों को साधने का प्रयास किया है। पिछले कुछ समय में उनके पारिवारिक कारोबार ने स्टेबलकॉइन में अधिक रुचि दिखायी है। वहीं, हाल के समय में अमेरिकी डॉलर से इतर दूसरी मुद्राओं में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार बढ़ने के प्रभाव को समाप्त करने में भी इससे मदद मिलेगी। यही कारण है कि संसद में इस विधेयक को दोनों दलों का समर्थन मिला।

बेंगुलुरु हवाई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कवर में छिपाकर रखे गए सफेद पाउडर को सावधानीपूर्वक बरामद किया। इसके, बाद यात्री को एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार कर लिया गया।

मेड़ता में 24 घंटे में 228 मिलीमीटर बरसात

■ क्षेत्र की निचली बस्तियों व मुख्य सड़कों पर पानी भरा, करंट से एक की मौत हुई।

मेड़ता सिटी,19 जुलाई (निसं)। मेड़ता क्षेत्र में 24 घंटे से हो रही बारिश के कारण शहर की निचली बस्तियों सहित मुख्य सड़कों पर भी पानी भर गया। मौसम विभाग के अनुसार 24 घंटे में 228 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई। बारिश के कारण करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई।

बारिश के कारण तमाम जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है मेड़ता उपखंड अधिकारी पूनम चोयल ने भी एक एडवायजरी जारी की ओर सभी विभागों को तेज बारिश के चलते आमजन की समस्याओं के निस्तारण के लिए आदेश किया।

मेड़ता नगरपालिका अध्यक्ष लाहोटी ने उपखंड अधिकारी के साथ जलभराव वाले क्षेत्रों का मुआयना किया।

जनपथ मार्ग पर एक व्यक्ति की करंट आने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार जनपथ मार्ग पर स्थित गोदाम के गेट में करंट आ रहा था जब उक्त व्यक्ति ने गेट खोला तो करंट लगने से उसकी मौत हो गई। परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित किया पुलिस ने पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को शव सुपुर्द किया।

अजमेर के पास नाड़ी में डूबने से तीन किशोरियों की मौत

आना सागर व वरुण सागर ओवरफ्लो हुए, दरगाह क्षेत्र में कई लोगों को बहने से बचाया

■ गेगल थाने के ऊंटड़ा गाँव की चार किशोरियाँ बकरियाँ चराने नाड़ी के क्षेत्र में गई थीं। पाल पर फिसलने से एक पानी में गिर गई। अपनी सहेली को बचाने के लिए बाकी तीनों भी नाड़ी में कूद गईं।

अजमेर, 19 जुलाई (कासं)। अजमेर शहर में दो दिन से लगातार हो रही मूसलाधार बरसात से शहर के कई भागों में पानी भर गया है। आनासागर और वरुण सागर जैसे प्रमुख जलाशय पानी से लबालब हो गए हैं, तथा पानी ओवरफ्लो होने से निचले इलाकों में पानी भरने के हालात बन रहे हैं। वहीं जिला कलेक्टर, निगम आयुक्त सहित, प्रशासनिक अमला व एसडीआरएफ व सिविल की टीम मुस्तैदी से हालात से निपटने में जुटे हुए हैं।

गेगल थाना क्षेत्र के ऊंटड़ा गांव की नाड़ी में डूबने से तीन किशोरियों की मौत हो गई, जबकि एक किशोरी गंभीर रूप से घायल हो गई। दरगाह क्षेत्र में पानी भर गया है। यहां कई लोगों को बहने से बचाया गया।

ऊंटडा गांव में शनिवार सुबह करीब 11 बजे चार किशोरियां, सिमरन पुत्री फिरोज, बिलकिश बानो पुत्री कमरूद्दीन, नाज़िया पुत्री बदरूद्दीन और आयशा बकरियां चराने के लिए गांव के पास स्थित नाड़ी के क्षेत्र में गई थीं। नाड़ी की पाल पर चलते समय सिमरन का पैर फिसल गया और वह पानी में गिर गई। अपनी सहेली को डूबता देख, बिलकिश बानो, नाजिया और आयशा उसे बचाने के लिए एक-एक कर नाड़ी में कूद गईं। इस दौरान, आयशा ने चिल्लाकर मदद मांगी, जिसे सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर दौड़े। ग्रामीणों ने तुरंत चारों किशोरियों को नाड़ी से बाहर निकाला और उन्हें जवाहरलाल नेहरू अस्पताल पहुंचाया।

अस्पताल में चिकित्सकों ने सिमरन, बिलकिश बानो और नाज़िया को मृत घोषित कर दिया,जबकि आयशा गंभीर रूप से घायल हो गई। आयशा की हालत नाज़ुक बताई जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही गेगल थाना पुलिस और सीओ रामचंद्र चौधरी अस्पताल पहुंचे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह हादसा संतुलन बिगड़ने के कारण हुआ।

अजमेर में अब तक कुल 200 मिलीमीटर से अधिक वर्षा रिकॉर्ड की जा चुकी है। शनिवार को जिला कलेक्टर लोकबंधु ने शहर के जल भराव वाले क्षेत्रों का दौरा किया। जिला प्रशासन, नगर निगम सहित, एसडीआरएफ व सिविल डिफ्रेंस के साथ विभागीय टीमें राहत कार्य में जुटी हैं।

पायलट एसोसिएशन ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सार्वजनिक स्पष्टीकरण जारी करे जिसमें यह स्वीकार किया जाए कि अभी तक किसी भी जांच एजेंसी द्वारा कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं निकाला गया है।

एफ.आई.पी. ने अपनी कानूनी नोटिस में कहा, "हमें, रॉयटर्स और सभी संबंधित प्लेटफार्मों को यह चेतावनी देने को कहा गया है कि वे विमान क्रैश और विमान के पायलटों से संबंधित बिना सत्यापित, अटकलों या अनौपचारिक सिद्धांतों का प्रसार या प्रचार न करें।" नोटिस में यह भी चेतावनी दी गई कि यदि वे ऐसा करते हैं, तो उन्हें मानहानि, मानसिक पीड़ा और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने के लिए कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

अमेरिका के नैशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एन.टी.एस.बी.) की अध्यक्ष जेनिफर होमेंडी ने कड़े शब्दों में कई अंतरराष्ट्रीय मीडिया आउटलेट्स की निंदा की, जिन्होंने अधूरी जानकारी के आधार पर निष्कर्ष पर पहुंचने की कोशिश की। होमेंडी ने कहा, "एयर इंडिया 171 क्रैश पर हाल की मीडिया रिपोर्ट जल्दीबाजी और अटकलों पर आधारित हैं।" उन्होंने कहा, "भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (ए.ए.आई.बी.) ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की है। इस प्रकार की जांचों में समय लगता है। हम ए.ए.आई.बी. की पब्लिक अपील का पूरी तरह समर्थन करते हैं, जो गुरुवार को जारी की गई थी और हम उस जांच को समर्थन देंगे, जो अभी चल रही है। सभी जांच संबंधी प्रश्न ए.ए.आई.बी. को संबोधित किए जाने चाहिए।"

भारत के एयरक्राफ्ट एक्टिडैंट इन्वैस्टिगेशन ब्यूरो (ए.ए.आई.बी.), जो प्रमुख जांच एजेंसी है, ने भी जैनिफर होमेंडी की भावना को दोहराया। अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में ए.ए.आई.बी. ने यह स्पष्ट किया कि उसका फोकस यह बताने पर है कि क्या हुआ, न कि क्यों हुआ। "इस समय, किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना बहुत जल्दबाजी होगी। एजेंसी ने कहा, "अंतिम जांच रिपोर्ट मूल कारणों की पहचान करेगी और सिफारिशें देगी।"

ए.ए.आई.बी. की प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त हुए बोइंग 787 ड्रीमलाइनर में कोई यांत्रिक या रखरखाव संबंधी समस्या का प्रमाण नहीं था। तथापि, अधिकारियों ने यह कहा कि रिपोर्ट निष्कर्षात्मक नहीं है और उन्होंने ब्लैक बॉक्स डेटा, उड़ान रिकॉर्ड्स और आवाज ट्रांसक्रिप्ट्स का पूरा विश्लेषण किए बिना कोई निष्कर्ष निकालने से बचने की सलाह दी।

एयर इंडिया के सीईओ कैम्पबेल विल्सन ने इस विचार को दोहराया। उन्होंने कहा, "प्रारंभिक रिपोर्ट में न तो कोई कारण पाया गया है और न ही कोई सिफारिश की गई है," उन्होंने कहा। "मैं सभी से आग्रह करता हूँ कि वे जल्दबाजी में निष्कर्ष पर न पहुँचें। हमें अपने कार्य और उन मूल्यों पर फोकस बनाकर रखना चाहिए जिनकी बदौलत एयर इंडिया की परिवर्तन यात्रा संभव हुई है। ये मूल्य हैं-ईमानदारी, उत्कृष्टता, कस्टमर फोकस, नवाचार और टीमवर्क।"

एन.टी.एस.बी. के बयान पर और विस्तार से बात करते हुए, कैप्टन रंधावा ने अमेरिकी एजेंसी के हस्तक्षेप का स्वागत किया। "हम एन.टी.एस.बी. बोर्ड के बयान से खुश हैं। यह पश्चिमी मीडिया में रिपोर्टों को रोक देगा। वे अपनी दुनिया में हैं और सोचते हैं कि वे कुछ भी प्रकाशित कर सकते हैं और बच सकते हैं। भारतीय रिपोर्ट बहुत स्पष्ट है-हमें अंतिम रिपोर्ट का इंतजार करना होगा।"

ऐसे में, जबकि, पूरी दुनिया भारत के सबसे बड़े विमानन हादसों में से एक के नुकसान पर शोक मना रही है, घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय अधिकारियों ने धैर्य रखने की अपील की है। अधिकारी कहते हैं कि अंतिम जांच में समय लगेगा, लेकिन जब यह पूरी होगी, तो यह तथ्यों को स्पष्टता और जवाबदेही के साथ सामने लाएगी।

'ट्रंप के दावे पर प्रधानमंत्री जवाब दें'

■ कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश ने कहा कि ट्रंप ने भारत-पाक युद्ध में 5 फाइटर जेट नष्ट होने का दावा किया है। इस पर प्र.मंत्री ही संसद में जवाब दें कोई और मंत्री नहीं चलेगा।

नई दिल्ली, 19 जुलाई। डोनाल्ड ट्रंप ने बयान दिया कि भारत-पाक संघर्ष में 5 फाइटर जेट गिरे थे। इस दावे को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार से तीन सवाल किए हैं, जिसका जवाब सीधे पीएम मोदी से मांगा गया है। राज्यसभा सासंद जयराम रमेश ने कहा कि कोई और मंत्री नहीं चलेगा।

पाकिस्तान के खिलाफ भारत के ऑपरेशन सिंदूर को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के हालिया दावे पर सियासत गर्मा गई है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शनिवार को केंद्र सरकार से तीन सीधे सवाल पूछते हुए जवाब मांगा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ट्रम्प के इन दावों का मानसून सत्र में पीएम मोदी से जवाब मांगती है।

राज्य सभा सांसद जयराम रमेश ने कहा कि ट्रम्प सार्वजनिक रूप से 24 बार यह कह चुके हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध को रोका। ऐसे में पहला सवाल है कि क्या ट्रम्प ने वास्तव में सीजफायर रुकवाया? दूसरा सवाल- क्या ट्रम्प ने व्यापार की धमकी देकर जंग रुकवाई? तीसरा और सबसे अहम सवाल- भारत-पाक संघर्ष में किसके 5 लड़ाकू विमान गिरे?

दरअसल, ट्रंप ने शुक्रवार रात व्हाइट हाउस में रिपब्लिकन सांसदों के साथ डिनर के दौरान यह दावा किया कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान 5 फाइटर जेट गिरे गए थे। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि वे फाइटर जेट भारत के थे या पाकिस्तान के। 21 जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र में विपक्ष इस मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश करेगी, जिससे सत्र के दौरान हंगामा देखने को मिल सकता है।

उड़ान भरने से पहले ही मस्क की "अमेरिका पार्टी"...

■ एक और उलझन है, मस्क के राष्ट्रपति बनने में, वे साउथ अफ्रीका में जन्मे हैं, अमेरिका में नहीं। अभी भी विदेश में जन्मे व्यक्ति को अमेरिका का राष्ट्रपति बनने का अधिकार प्राप्त नहीं है।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समर्थन करते हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि 74 प्रतिशत वयस्क और 77 प्रतिशत मतदाता इस विचार को पूरी तरह से नकारते हैं।

सीएनएन के विश्लेषक ने साफ कहा कि "मस्क इस यात्रा का नेतृत्व करने के लिए बिल्कुल गलत व्यक्ति हैं", जैसा कि मैंने शुरुआत में कहा, वह देश के सबसे अप्रिय राजनीतिक व्यक्तित्वों में से एक हैं।"

यह केवल सीएनएन का सर्वेक्षण नहीं है। क्विन्निपियाक यूनिवर्सिटी के एक सर्वेक्षण में भी ऐसे ही निष्कर्ष सामने आए, जिनमें सिर्फ 17 प्रतिशत मतदाता ही मस्क द्वारा नेतृत्व की जा रही किसी पार्टी का समर्थन करने के बारे में विचार करेंगे, जबकि 77 प्रतिशत से अधिक ने इस विचार को पूरी तरह से नकार दिया। ये आंकड़े केवल खराब नहीं हैं, वे हाल की तीसरी पार्टी की कोशिशों से भी बदतर हैं।

एक समय था, जब अत्याधुनिक नवाचारों के लिए उनकी प्रशंसा की जाती थी, लेकिन टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ मस्क की प्रतिष्ठा में तेजी से गिरावट आई है। उसी सीएनएन सर्वेक्षण में, केवल 23 प्रतिशत अमेरिकियों ने उन्हें सकारात्मक रूप से देखा, जबकि 60 प्रतिशत ने नकारात्मक राय व्यक्त की, जिससे उन्हें माइनस 37 अंकों की नैट अप्रूवल रेटिंग मिली। सीएनएन ने इसे एक शब्द में संक्षेपित किया, "ओफ्फ।"

यह 2016 के बाद हुआ एक चौंकाने वाला बदलाव है। उस समय मस्क की नैट पॉज़िटिव फेवरेबिलिटी प्लस 29 अंक थी और उन्हें एक दूरदर्शी के रूप में देखा जाता था। आज, उनकी सोशल मीडिया की आक्रामक उपस्थिति, विवादास्पद टिप्पणियां और दक्षिणपंथी राजनीति में बढ़ती भागीदारी ने उन सभी अच्छे इरादों को नष्ट कर दिया है।

ऐतिहासिक रूप से, यूएस में तीसरी पार्टी बनाने के प्रयासों को हमेशा ही कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। जॉर्ज वॉशिंगटन ही ऐसे एकमात्र राष्ट्रपति हैं, जिन्हें बिना किसी पार्टी के चुना गया, पर उस समय, जब राजनीतिक दल अस्तित्व में नहीं थे। राष्ट्रपति चुनाव में किसी तीसरी पार्टी के उम्मीदवार के रूप में एक राज्य में भी जीतने वाले आखिरी व्यक्ति जॉर्ज वॉर्लेस थे, वे 1968 में विजयी हुए थे।

यहाँ तक कि रॉस पेरोट, एक अन्य अरबपति भी अपनी शुरुआती सक्रियता को स्थायी राजनीतिक बदलाव में बदलने में विफल रहे। हालांकि उन्होंने 1992 में 20 प्रतिशत वोट प्राप्त किए और रिफॉर्म पार्टी की शुरुआत की, लेकिन यह आंदोलन जल्दी फीका पड़ गया। इसका आखिरी उच्चतम बिंदु 1998 में मिनेसोटा के गवर्नर के रूप में जेसी वेंचुरा का चुनाव था। आज वह पार्टी अमेरिकी राजनीति में महत्वहीन हो गई है।

1993 में, पेरोट का तीसरी पार्टी का दृष्टिकोण कम से कम अमेरिकी जनता में सुनाई तो देता था। सीएनएन के अनुसार, 50 प्रतिशत अमेरिकियों ने इसका समर्थन किया था। इसके विपरीत, मस्क तीन-चौथाई से अधिक अमेरिकियों के विरोध के साथ इस मंच पर उतर रहे है, वो भी किसी नीति, एजेंडा या नेतृत्व टीम की घोषणा किए बिना।

और एक और महत्वपूर्ण बात, मस्क राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव नहीं लड़ सकते। दक्षिण अफ्रीका में जन्मे होने के कारण, संविधान के तहत वे देश का सर्वोच्च पद प्राप्त नहीं कर सकते। यह एक ऐसा तथ्य है, जो उनकी राजनीतिक आकांक्षाओं की विश्वसनीयता और उद्देश्य को और कमजोर करता है।

मस्क में जनता का भरोसा भी कम है, सुर्खियों में रह कर और पैसा खर्च कर वे उसकी भरपाई करते हैं। अपनी विशाल संपत्ति से वे प्रमुख अभियानों को फंड कर सकते हैं, एयरटाइम खरीद सकते है और अपनी मुहिम को अधिक समय तक सुर्खियों में बनाए रख सकते हैं। सीएनएन ने कहा, "कई तीसरी पार्टियाँ असफल हो जाती हैं, क्योंकि वे अपना संदेश नहीं पहुंचा पातीं," मस्क की पार्टी को यह समस्या नहीं होगी। लेकिन पैसा होना ही पर्याप्त नहीं है।"

वास्तव में, जैसे-जैसे जनता का नजरिया उनके खिलाफ हो रहा है, यह स्पष्ट हो रहा है कि पैसा खर्च कर भरोसा हासिल नहीं किया जा सकता, विशेषकर एक ऐसे देश में, जहाँ विश्वास कमाया जाता है, न कि ट्वीट किया जाता है।

जैसा कि सीएनएन ने कहा, "अमेरिकियों को मस्क की राजनैतिक सक्रियता जितनी ज्यादा दिखेगी, वे उन्हें उतना ही कम पसंद करेंगे।" एक आदमी, जो रॉकेट को अंतरिक्ष के ऑर्बिट में भेजा करता है, उसके लिए एक व्यवहारिक राजनीतिक पार्टी शुरू करना उसका शायद अब तक का सबसे कठिन मिशन साबित हो सकता है और शायद उसका सबसे विफल प्रयास भी।

स्वर्ण मंदिर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में केन्द्रीय और राज्य एजेंसियों की विफलता पर सवाल उठाये हैं।

पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने कहा कि जांच जारी है।

इस मामले में हिरासत में लिये गये एक संदिग्ध शुभम दुबे से फिलहाल पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा, ऐसे मामलों में तकनीकी विश्लेषण में समय लगता है।

उन्होंने कहा कि संदिग्धों की जल्द ही पहचान कर ली जायेगी।

पेपर लीक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

द्वारा उसकी फोटो लेने के बाद रजिस्टर को जलाकर नष्ट कर दिया गया। उसके खिलाफ पेपर लीक को लेकर एसओजी में भी मामले दर्ज हैं। ऐसे में उसे जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता।

ईडी ने उत्तराखंड ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संचालित करता है।

ईडी ने जनवरी में पीएमएलए के तहत इन दोनों भूखंडों (कुल क्षेत्रफल 101 बीघा) को जब्त कर लिया था। इन दोनों अचल संपत्तियों का मूल्यांकन 6.56 करोड़ रूपए है, लेकिन एजेन्सी के अनुसार, इनकी वर्तमान बाजार कीमत 70 करोड़ रूपए से अधिक है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908